यदि स्प्रे में कमी रह जाती है, तो निम्न खरपतवार बच सकते है ऐसे में निम्नलिखित खरपतवारनाशकों का उपयोग करें

इकाइनोक्लोआ क्रूसगैली और कोलोना (शैंक/शैंकी)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	वजीर	400 मि.ली.
दूसरा	बिसपायरिबैक सोडियम+वजीर	120 मि.ली. + 400 मि.ली.

साइप्रस प्रजाति (सेज मोथा)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	वजीर	400 मि.ली.
दूसरा	बासाग्राम/बेंटाजोन 48% या पाइराजोसल्फ्यूरॉन 70%+वजीर	120 मि.ली. या 300 मि.ली. + 400 मि.ली.

लेप्टोक्लोआ चिनेंसिस घास (झाड़ू घास)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	वजीर	400 मि.ली.
दूसरा	बिसपायरिबैक सोडियम या फेनोक्साप्रॉप +वजीर	120 मि.ली. या 350 मि.ली. + 400 मि.ली.

1. एराग्रोस्टिस प्रजाति- चिड़ी घास 2. डैक्टाइलोक्टेनियम एजिप्टियम (मकड़ा घास)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	पायराजोसुल्फ्यूरॉन एथाल+वजीर	80 ग्राम+ 400 मि.ली.
दूसरा	बिसपायरिबैक +वजीर	120 मि.ली. + 400 मि.ली.
अथवा दूसरा	फेनोक्साप्रॉप +वजीर	350 मि.ली. + 400 मि.ली.

नोट- निर्देश में से कोई एक, दूसरे स्प्रे के लिए अपनाए

खरपतवार के नियंत्रण के लिए नीचे दिए गए खरपतवारनाशकों का उपयोग करें

1. ट्रायन्थिमा प्रजाति पथरचट्टा-चौड़ी पत्तियाँ 2. पोर्टलाका एस.पी. गुलदोपहरी (नियंत्रण करना कठिन)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल +वजीर	8 ग्राम +400 मि.ली.
दूसरा	यदि बाद के चरण में देखा जाए तो - 2-4डी (अमाइन साल्ट 58%एसएल) + सोडियम साल्ट खेत में एक सप्ताह तक पानी भर दें	120 मि.ली. +400 मि.ली.

एमारेंथस प्रजाति-केसर (नियंत्रण करना कठिन)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	कार्फेंटाजोन एथिल एल +वजीर	8 ग्राम +400 मि.ली.
दूसरा	यदि बाद के चरण में देखा जाए तो कार्फेंटाजोन एथिल एल+वजीर	800 मि.ली. +400 मि.ली.

ग्लाइसिन प्रजाति-जंगली सोयाबीन चौड़ी पत्तियाँ (अनियंत्रित)

छिड़काव	खरपतवारनाशक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)
पहला	मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल+वजीर	8 ग्राम +400 मि.ली.
दूसरा	+वजीर	400 मि.ली.
अथवा दूसरा	बिसपायरिबैक सोडियम+वजीर	120 मि.ली. +400 मि.ली.

नोट- निर्देश में से कोई एक, दूसरे स्प्रे के लिए अपनाए

अन्य जानकारी

सिंचाई

- खेत में उचित नमी बनाये रखें
- खेत में पानी खड़ा न होने दें
- वजीर स्प्रे के बाद 24 घंटे तक सिंचाई न करें

अन्य सावधानियां

- बीज व खरपतवारनाशी एक साथ खरीदें
- सिर्फ वजीर खरपतवारनाशी का ही इस्तेमाल करें
- पानी के प्रवाह को साथ वाले खेत में न जाने दें
- वजीर का इस्तेमाल अन्य धान पर न करें, सिर्फ फुलपेज® पर ही करें
- धान और गेहूं/दालों की फसल चक्र के लिए उपयुक्त
- धान और आलू की फसल चक्र के उपयोग से बचें

SEEDWORKS INTERNATIONAL LIMITED
(Formerly SeedWorks International Private Limited)
SURVEY NO.530/A, GOWDAVALLY VILLAGE - 501403, MEDCHAL-MALKAJGIRI, TELANGANA
Email: consumercell@seedworks.com

US Agriseeds® Seed that Works

SeedWorks®

FULL PAGE®

Rice Cropping Solution

फुलपेज खेती की महत्वपूर्ण जानकारी एवं सुझाव

खेती की तैयारी व बुआई

- बुआई का सही समय - मध्य भारत 5 जून से 20 जून
- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के लिए बीज दर-10.5 किलो प्रति एकड़
- लेज़र लेवलर से खेत को समतल करें, तथा उचित नमी पर 2-3 cm की गहराई में सीड ड्रिल के माध्यम से सीधी बुवाई करें

उर्वरक प्रबंधन

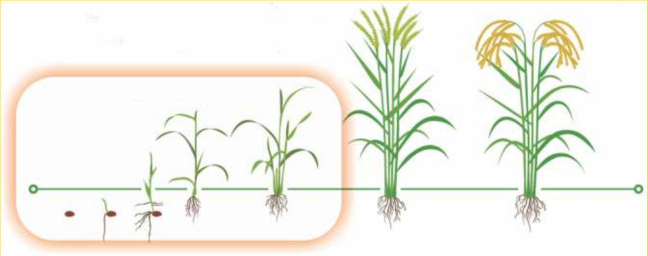

फसल अवस्था	डीएपी कि./एकड़	यूरिया कि./एकड़	पोटाश कि./एकड़	ZnSo4 (33%) कि./एकड़	चिलेटेड आयरन कि./एकड़
बुआई के समय	30-50	–	20	–	–
12-15 दिन पर		20	–	5	–
30-35 दिन पर		40	–	–	1
50-60 दिन पर		40	20	–	–

प्रारंभिक अवस्था में नाइट्रोजन उर्वरक का उपयोग पौधों की टिलरिंग (कल्ले निकलना)और फसल की स्थापना में सहायक होता है

नोट- अधिक उत्पादन के लिए निम्नलिखित छिड़काव का पत्तियों पर छिड़काव करें

1. जिंक 39.5 % का पत्तियों पर स्प्रे 50-55 दिन पर,
   खुराक : 250 मिली./एकड़
2. उर्वरक : 13-0-45 का पत्तियों पर स्प्रे 60-70 दिन पर,
   खुराक : 1.5 ग्राम/लीटर पानी

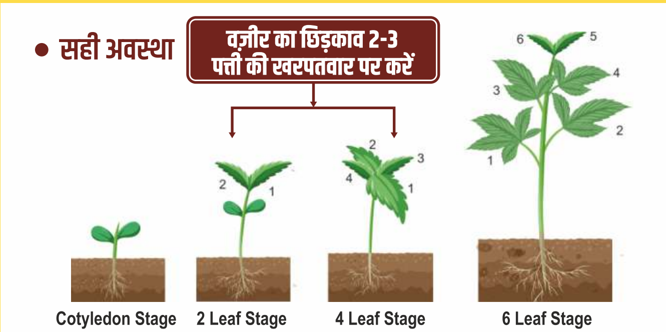

खरपतवार की वृद्धि पर

0-7 दिन	8-14 दिन	15-21 दिन	22-28 दिन	29 दिन

2 से 3 पत्ती अवस्था खरपतवार

खरपतवारनाशक का सही उपयोग

खरपतवारनाशक के घोल बनाने की विधि

पहला छिड़काव

वजीर - 400 मिली. प्रति एकड़ की दर से खरपतवारों की 2-3 पत्ती की अवस्था में, बुआई के 10-12 दिन बाद

वजीर लगाने से पहले खेत में उचित नमी बनाएं रखें
छिड़काव के 24 घंटे बाद फसल की सिंचाई करें

दूसरा छिड़काव

वजीर-400 मिली. प्रति एकड़ की दर से पहले छिड़काव के 15 दिन बाद या खरपतवारों की 2-3 पत्ती की अवस्था में

खरपतवारनाशक की निर्धारित मात्रा का उपयोग करें

सही नोजल का चुनाव

हमेशा सही प्रकार के नोजल का उपयोग करें

- कट नोजल या फ्लेट फेन नोजल का इस्तेमाल करें
- छिड़काव के समय खेत में उचित नमी रखें
- छिड़काव के बाद 6-8 घंटे तक वर्षा मुक्त वातावरण होना चाहिए
- खरपतवरनाशी का उपयोग निर्देशानुसार ही करें

- सही उपयोग
- नोजल की ऊंचाई घुटने से ऊपर बनाये रखें

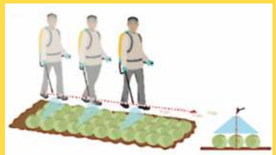

- स्प्रे की गति को स्थिर रखना महत्वपूर्ण

स्प्रेयर के बूम को सीधी रेखा में रखें, ऊँचा-नीचा ना करे

छिड़काव के दौरान अतिव्यापी (ओवरलेपिंग) से बचे, क्योंकि इससे फसल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है